चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींन्द
हिंदी–विभाग
स्नातकोत्तर हिंदी (सी0 बी0 सी0 एस0 योजनानुसार)
पाठ्यक्रम एवं योजना
स्नातकोत्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान मण्डल द्वारा अनुमोदित (w.e.f. 07/06/2023)

सेमेस्टर–I

Course Code	Nature	Title of Course	Credit	Tutorial	Practical	Total Credits	External Marks	Internal Marks	Max. Marks
HF-1001	Foundation	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	4	1	0	5	80	20	100
HC-1001	Core	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य	4	1	0	5	80	20	100
HC-1002	Core	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	4	1	0	5	80	20	100
HC-1003	Core	हरियाणवी लोक साहित्यः विविध आयाम ✓	4	1	0	5	80	20	100
HE-1001	Elective (I)	मीडिया एवं जनसंचार	4	1	0	5	80	20	100
	Elective (II)	अनुवाद सिद्धांत एवं अनुप्रयोग	4	1	0	5	80	20	100

सेमेस्टर–II

Course Code	Nature	Title of Course	Credit	Tutorial	Practical	Total Credits	External Marks	Internal Marks	Max. Marks
HF-2001	Foundation	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	1	0	5	80	20	100
HC-2001	Core	भाषा विज्ञान के सिद्धांत	4	1	0	5	80	20	100
HC-2002	Core	हिंदी निबंध	4	1	0	5	80	20	100
HC-2003	Core	हरियाणवी लोक साहित्य: लोकनाट्य–सांग	4	1	0	5	80	20	100
HE-2001	Elective (I)	संत रैदास का काव्य (विशेष अध्ययन)	4	1	0	5	80	20	100
OE-2001	Open Elective (I)	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	1	0	5	80	20	100

सेमेस्टर–III

Course Code	Nature	Title of Course	Credit	Tutorial	Practical	Total Credits	External Marks	Internal Marks	Max. Marks
HF-3001	Foundation	भारतीय काव्य शास्त्र के सिद्धांत	4	1	0	5	80	20	100
HC-3001	Core	हिंदी भाषा एवं लिपि का अध्ययन	4	1	0	5	80	20	100
HC-3002	Core	शोध प्रविधि	4	1	0	5	80	20	100
HC-3003 ?	Core	हरियाणवी लोकः विविध आयाम	4	1	0	5	80	20	100
HE-3001	Elective (I)	सृजनात्मक लेखन	4	1	0	5	80	20	100
	Elective (II)	हिन्दी तकनीकी संसाधन	4	1	0	5	80	20	100
OE-3001	Open Elective (I)	व्यावहारिक हिंदी	4	1	0	5	80	20	100

सेमेस्टर–IV

Course Code	Nature	Title of Course	Credit	Tutorial	Practical	Total Credits	External Marks	Internal Marks	Max. Marks
HF-4001	Foundation	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत	4	1	0	5	80	20	100
HC-4001	Core	हिंदी आलोचना	4	1	0	5	80	20	100
HC-4002	Core	हिंदी की नव्यतर गद्य विधाएँ	4	1	0	5	80	20	100
HC-4003	Core	स्वातन्त्र्योत्तर हिंदी काव्य	4	1	0	5	80	20	100
HE-4001	Elective (I)	हिंदी नाटक और रंगमंच	4	1	0	5	80	20	100
	Elective (II)	सूरदास के काव्य का विशेष अध्ययन	4	1	0	5	80	20	100

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)

सेमेस्टर–प्रथम

पाठ्यचर्या – HF- 1001

विषय: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल) (Foundation Course)

अधिकतम अंक: 100
समय: 3 घंटे
लिखित परीक्षा: 80 आंतरिक मूल्यांकन: 20
आवश्यक निर्देश:

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

इकाई–एक

- साहित्येतिहास, साहित्येतिहास दर्शन, अवधारणा एवं विशेषता हिंदी साहित्य के इतिहास, लेखन की परंपरा, हिंदी साहित्य का इतिहास, काल–विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण की समस्या, आदिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई–दो

- भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, भक्तिकाल एवं पुनर्जागरण, भक्तिकाल स्वर्णयुग, निर्गुण भक्ति काव्य: ज्ञानाश्रयी काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं प्रेमाश्रयी काव्य की प्रवृत्तियाँ, सगुण भक्ति काव्य राम भक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं कृष्ण भक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ।

इकाई–तीन

- रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीतिकाल–नामकरण, प्रवृत्तियाँ, रीतिबद्ध काव्य की परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ, रीतिसिद्ध काव्य की परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ, रीतिमुक्त काव्य की परंपरा एवं प्रवृतियाँ।

सहायक ग्रंथ सूची:

1. रामचंद्र शुक्ल: हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रकाशन संस्थान, संस्करण 2015,नई दिल्ली–110002।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी: हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन,संस्करण–2021।
3. बाबू श्यामसुंदर दास हिंदी साहित्य: इंडियन प्रैस इलाहाबाद।
4. रामकुमार वर्मा: हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नय साहित्य प्रैस, इलाहाबाद।
5. नगेंद्र(संपादक): हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। सन् 2016
6. हरिश्चंद्र वर्मा: हिंदी साहित्य का इतिहास, हरियाणा साहित्य अकादमी,पंचकूला।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)

सेमेस्टर–प्रथम

पाठ्यचर्या - HC- 1001

विषयः आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य (Core)

अधिकतम अंकः 100

समयः 3 घंटे

लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 03 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- व्याख्या–पाठ्यकम में इकाई तीन में से 04 पाठांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 02 की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 08 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

अध्ययन के लिए अनुमोदित पाठ्य–ग्रंथ/निर्धारित पुस्तकेंः

- कयमास वधः पृथ्वीराज रासो 'काव्य प्रकरण'।
- कबीरदासः कबीर वाणी, निर्धारित 10 पद (पद संख्या– 1, 2, 3, 4, 5, 10, 13, 17, 19, 25), 25 दोहे। आरंभ से 25 दोहे, संपादक डॉ. पारसनाथ तिवारी, प्रकाशकः राका प्रकाशन इलाहबाद (पाठ्यपुस्तक)।

इकाई–दो

अध्ययन के लिए अनुमोदित पाठ्य–गंथ/निर्धारित पुस्तकेंः

- नागमति वियोग खंड जायसी ग्रंथावली, संपादक वासुदेव शरण अग्रवाल।
- तुलसीदासः सुंदरकांड–(रामचरितमानस)।
- बिहारी सतसईः निर्धारित 20 दोहे। दोहा संख्या– 1, 32, 35, 38, 62, 94, 121, 126, 141, 151, 162, 201, 255, 288, 300, 301, 316, 317, 331, 363. "बिहारी रत्नाकार",संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर।

इकाई–तीन

व्याख्या हेतू निर्धारित पाठ्य ग्रंथ/पुस्तकेंः

- सूरदासः भ्रमरगीत सार में से निर्धारित 15 पद (पद संख्या–18, 20, 23, 25, 35, 38, 50, 52, 54, 57, 62, 64, 70, 100, 400), संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
- घनानंदः निर्धारित 10 पद। पद संख्या– आरंभ के दस पद/कवित्तय, संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. कबीरः हजारी प्रसाद द्विवेदी।–2019–राजकमल
2. कबीर की विचारधाराः गोविंद त्रिगुणायत।–साहित्य निकेतन–2018
3. गोस्वामी तुलसीदासः रामचंद्र शुक्ल।–2012–प्रकाशन संस्थान
4. तुलसीदास आधुनिक वातायन से रमेश कुतल मेघ।–2007
5. लोकवादी तुलसीदासः विश्वनाथ त्रिपाठी।–2021–राधाकृष्ण प्रकाशन
6. तुलसीदास काव्य मीमांसा उदयभानु सिंह।–2008–राधाकृष्ण
7. मध्यकालीन हिंदी साहित्यः संवेदना, शास्त्र और समसामायिकता, तिवारी।
8. मध्यकालीन संत साहित्य में सामाजिक समरसताः विनीता कुमारी।–2013
9. निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिकाः रामसजन पाण्डेय।–2016
10. बिहारी की काव्य दृष्टिकोण जय प्रकाश।
11. बिहारी की वाग्विभूतिः विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
12. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकालः रीतिकालः महेंद्र कुमार।
13. रीतिकवियों की मौलिक देनः किशोरी लाल।
14. रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्यः पूरनचंद टंडन।
15. घनानंदः लल्लनराय।
16. घनानंद काव्य और आलोचनाः किशोरी लाल।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)

सेमेस्टर–प्रथम

पाठ्यचर्या - HC- 1001

विषयः आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य (Core)

अधिकतम अंकः 100

समयः 3 घंटे

लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 03 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- व्याख्या–पाठ्यक्रम में इकाई तीन में से 04 पाठांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 02 की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 08 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

खंड–1

इकाई–एक

अध्ययन के लिए अनुमोदित पाठ्य–ग्रंथ/निर्धारित पुस्तकेंः

- कयमास वधः पृथ्वीराज रासो 'काव्य प्रकरण'।
- कबीरदासः कबीर वाणी, निर्धारित 10 पद (पद संख्या– 1, 2, 3, 4, 5, 10, 13, 17, 19, 25), 25 दोहे। आरंभ से 25 दोहे, संपादक डॉ. पारसनाथ तिवारी, प्रकाशकः राका प्रकाशन इलाहबाद (पाठ्यपुस्तक)।

इकाई–दो

अध्ययन के लिए अनुमोदित पाठ्य–गंथ/निर्धारित पुस्तकेंः

- नागमति वियोग खंड जायसी ग्रंथावली, संपादक वासुदेव शरण अग्रवाल।
- तुलसीदासः सुंदरकांड–(रामचरितमानस)।
- बिहारी सतसईः निर्धारित 20 दोहे। दोहा संख्या– 1, 32, 35, 38, 62, 94, 121, 126, 141, 151, 162, 201, 255, 288, 300, 301, 316, 317, 331, 363, "बिहारी रत्नाकार",संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर।

इकाई–तीन

व्याख्या हेतू निर्धारित पाठ्य ग्रंथ/पुस्तकेंः

- सूरदासः भ्रमरगीत सार में से निर्धारित 15 पद (पद संख्या–18, 20, 23, 25, 35, 38, 50, 52, 54, 57, 62, 64, 70, 100, 400), संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
- घनानंदः निर्धारित 10 पद। पद संख्या– आरंभ के दस पद/कवित्तय, संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. कबीरः हजारी प्रसाद द्विवेदी।–2019–राजकमल
2. कबीर की विचारधाराः गोविंद त्रिगुणायत।–साहित्य निकेतन–2018
3. गोस्वामी तुलसीदासः रामचंद्र शुक्ल।–2012–प्रकाशन संस्थान
4. तुलसीदास आधुनिक वातायन से रमेश कुंतल मेघ।–2007
5. लोकवादी तुलसीदासः विश्वनाथ त्रिपाठी।–2021–राधाकृष्ण प्रकाशन
6. तुलसीदास काव्य मीमांसाः उदयभानु सिंह।–2008–राधाकृष्ण
7. मध्यकालीन हिंदी साहित्यः संवेदना, शास्त्र और समसामायिकता, तिवारी।
8. मध्यकालीन संत साहित्य मे सामाजिक समरसताः विनीता कुमारी।–2013
9. निर्गुण काव्य की सारकृतिक भूमिकाः रामसजन पाण्डेय।–2016
10. बिहारी की काव्य दृष्टिकोण जय प्रकाश।
11. बिहारी की वाग्विभूतिः विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
12. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकालः रीतिकालः महेंद्र कुमार।
13. रीतिकवियों की मौलिक देनः किशोरी लाल।
14. रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्यः पूरनचंद टंडन।
15. घनानंदः लल्लनराय।
16. घनानंद काव्य और आलोचनाः किशोरी लाल।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–प्रथम
पाठ्यचर्या - HC-1002
विषय: आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (Core)

अधिकतम अंक: 100

समय: 3 घंटे

लिखित परीक्षा: 80 आंतरिक मूल्यांकन: 20

आवश्यक निर्देश:

- आलोचनात्मक प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 03 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- व्याख्या–पाठ्यक्रम मे इकाई तीन में से 04 पाठांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 02 की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 08 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

इकाई–एक

पुस्तक– गोदान, लेखक प्रेमचंद।

इकाई–दो

पुस्तक–तेईस हिंदी कहानियाँ, संपादक–जैनेंद्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।

इकाई–तीन

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यकम:

पुस्तक–1–चिंतामणि (भाग–एक), लेखक आचार्य रामचंद्र शुक्ल से निम्नलिखित निबंध–(1) श्रद्धाभक्ति, (2) लोभ और प्रीति, (3) ईर्ष्या, (4) कविता क्या है, (5) काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था।

पुस्तक–2–आषाढ़ का एक दिन (नाटक), लेखक मोहन राकेश।

सहायक ग्रंथ सूची:

1. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्पविधान, लेखक डॉ. कमल किशोर गोयनका। 1973, सरस्वती प्रकाशन।
2. प्रेमचंद: एक विवेचन, डॉ. इंद्रनाथ मदान।1989, राधाकृष्ण प्रकाशन ISBN-8183610943
3. हिंदी कहानी: अंतरंग पहचान, रामदरश मिश्र। 2014, वाणी प्रकाशन ISBN-9788181436498
4. आधुनिक हिंदी नाटक: डॉ. नगेंद्र। 1968, राधाकृष्ण प्रकाशन, ISBN-9788171198177
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल: लेखक डॉ. रामचंद्र तिवारी। 2012, राजकमल प्रकाशन, ISBN-8126708086
6. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति, संपादक डॉ. देवीशंकर अवस्थी। 2008,राजकमल प्रकाशन ISBN-8126715219
7. समकालीन कहानी: रचना मुद्रा, डॉ. पुष्पपाल सिंह।
8. प्रेमचंद और उनका युग: रामविलास शर्मा। 2008, लोक भारती प्रकाशन ISBN-8126705043
9. प्रेमचंद: एक साहित्यिक विवेचन, नंददुलारे वाजपेयी। 2003, लोकभारती प्रकाशन ISBN-8126700688
10. कहानी नयी कहानी, नामवर सिंह। 2006, लोकभारती प्रकाशन ISBN-818031314
11. नयी कहानी की भूमिका: कमलेश्वर।020, राजकमल प्रकाशन–ISBN 8126728582
12. गोदान: प्रेमचन्द।2019, फिन्गरप्रिन्ट प्रकाशन, ISBN-9388810473
13. तेइस हिन्दी कहानिया। 2017, लोकभारती प्रकाशन, ISBN-9788180315787
14. चिंतामणि (भाग–एक) आचार्य रामचंद्र शुक्ल। कला मन्दिर प्रकाशन।
15. आषाढ़ का एक दिन: मोहन राकेश। राजपाल एण्ड सन्स प्रकाशन ISBN-9788170284093

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–प्रथम
पाठ्यचर्या– HC-1003
विषय– हरियाणवी लोक साहित्यः विविध आयाम (Core)

अधिकतम अंकः 100

समयः 3 घंटे

लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्क्रम में से 08 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

- लोक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, विशेषताएँ। हिंदी भाषा व साहित्य में लोक साहित्य का योगदान। हरियाणा की लोक संस्कृति का अभिन्न अंग हरियाणवी लोक साहित्य।
- लोककथाः लोककथा की उत्पत्ति, परिभाषा एवं स्वरूप, परंपरा। हरियाणवी लोककथाः विशेषताएँ शैली, प्रकार, सांस्कृतिक महत्व।

इकाई–दो

- लोक गाथाः उत्पति, परिभाषा एवं स्वरूप, हरियाणवी लोककथा की विशेषताएँ, शैली, सांस्कृतिक महत्व।
- लोकवार्ताः सैद्धांतिक विवेचन, लोकवार्ता तथा फोक लोर, हरियाणवी लोक वार्ताः विषय, विशेषताएँ, शैली, सांस्कृतिक महत्व।

इकाई–तीन

- लोक गीतः परिभाषा, लक्षण तथा विशेषताएँ। हरियाणवी लोकगीतः परम्परा, विशेषताएँ, प्रकार, हरियाणवी लोकगीतों की मनोभूमि, लोकगीतों में संगीत विधान एवं वाद्य यंत्र, लोकगीतों का सांस्कृतिक महत्व।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. लोक साहित्य विज्ञानः सत्येंद्र।
2. लोक साहित्य की भूमिकाः कृष्ण देव उपाध्याय।
3. लोक साहित्य की भूमिकाः डॉ. धीरेंद्र वर्मा।
4. लोकगीतों का सांस्कृतिक विश्लेषणः डॉ. भीम सिंह मलिक।–हरियाणा के लोकगीतों (सांस्कृतिक मूल्यांकन)–डॉ. भीम सिंह, आर्य बुक डिपो, कारोलबाग, नई दिल्ली–110005, संस्करण, 1981
5. हरियाणवी लोक साहित्यः विविध आयाम, डॉ. राम मेहर सिंह।
6. हरियाणा की उपभाषाएँ. साधुराम शारदा।
7. हरियाणवी लोक गीतः साधुराम शारदा। हरियाणा ग्रन्थ अकादमी पंचकूला, संस्करण–2011
8. हरियाणवी लोक कथाएँः शंकर लाल यादव। हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला–संस्करण–1999
9. भारतीय लोक साहित्यः श्याम परमार।
10. हरियाणा का लोक साहित्यः शंकर लाल यादव। हिन्दुस्तान एकेडेमी, इलाहाबाद, संस्करण–2000

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–प्रथम
पाठ्यचर्या–HE-1001
विषयः मीडिया एवं जनसंचार (Elective I)

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20
आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई तीन में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

- पत्रकारिता– परिभाषा एवं स्वरूप।
- पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास।
- लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता।
- 21वीं सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां एवं दायित्व।
- पत्रकारिता का व्यवसायीकरण।

इकाई–दो

- समकालीन हिंदी मीडिया।
- प्रिंट मीडिया–प्रमुख पत्र एवं पत्रिकाएँ।
- संपादन कला।
- इलेक्ट्रानिक मीडिया–रेडियो, टेलिविजन, इंटरनेट मीडिया।
- कोविड–19 के पश्चात् परिवर्तित एवं प्रभावी मीडिया, चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएँ।

इकाई–तीन

- मीडिया लेखन– समाचार, फीचर, साक्षात्कार, रिपोर्ताज लेखन, कवर स्टोरी, पटकथा, डाक्यूमेंट्री, ब्लॉग, वीलॉग, पॉडकास्ट। कवरस्टोरी, सबहैडिंग, फॉलोअप, बाईलाइन, स्टिंग आप्रेशन, ई –पेपर, ई– मैगज़ीन, लोकल मीडिया चैनल का त्वरित प्रसार एवं प्रभाव।
- इलेक्ट्रानिक मीडिया की भाषा की प्रकृति।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. हिंदी पत्रकारिता का वृहत् इतिहासः अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।–2014
2. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिताः अजय कुमार सिंह, लोक भारती, इलाहबाद।–2014
3. हिंदी पत्रकारिता का प्रतिमानः डॉ. सतीश कुमार राय, लोक भारती, इलाहबाद।
4. जनसंचारः सं. राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।–2016
5. संचार भाषा हिंदीः सूर्य प्रसाद दीक्षित, लोकभारती, दिल्ली।–2012
6. पत्रकारिता हेतु लेखनः डॉ. निशात सिंह, अर्चना पब्लिकेशन, दिल्ली।
7. मीडिया लेखनः सिद्धांत और प्रयोग– मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।–2019
8. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडियाः डॉ. देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।–2010
9. न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और सम्भावनाएँः सं. आर. अनुराधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।–2012
10. समकालीन हिंदी मीडियाः सं. विजय दत्त श्रीधर, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।–2018
11. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयामः वेदप्रताप वैदिक, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।–2016

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–प्रथम
पाठ्यचर्या–HE-1001
विषय– अनुवादः सिद्धांत एवं अनुप्रयोग (Elective II)

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20
आवश्यक निर्देशः

- इस पाठ्यचर्या की तीन इकाई हैं। प्रथम इकाई दीर्घ प्रश्नों से संबधित है तो इकाई दो लघु प्रश्नों से। एक और इकाई दो में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। इकाई तीन के अंतर्गत अमुक पुस्तक से अंग्रेजी के दो अवतरण अनुदित करने के लिए दिए जाएंगे।
- परीक्षार्थी इकाई–एक, इकाई–दो, इकाई–तीन से कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। चौथे प्रश्न का चयन किसी भी इकाई से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 4x16=64
- इकाई दो के अंतर्गत कुल छह लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द–सीमा 100 से 120 है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। पेपर सेटर तीनों इकाई की पुस्तकों से प्रश्न पूछें। 4x4=16

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

1. अनुवाद की अवधारणाः अनुवाद की परिभाषाएँ एवं स्वरूप।
2. अनुवाद का इतिहासः भारतीय एवं पाश्चात्य।
3. अनुवाद के प्रकार।

इकाई–दो

1. अनुवाद सिद्धांत।
2. अनुवाद प्रक्रिया, समतुल्यता का सिद्धांत।
3. अनुवाद की प्रक्रिया।
4. अनुवाद की समस्या, अनुवादक की समस्या, पाठक की समस्या, पाठ की समस्या।
5. अनुवाद का महत्त्व एवं औचित्य।

इकाई–तीन

1. अमुक अंग्रेजी पुस्तक *Charlotte's Web* by E.B. White का हिंदी अनुवाद।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. अनुवादः सिद्धांत और प्रयोगः जी. गोपीनाथन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहबाद। 2018 ISBN-8180313689
2. अनुवाद कला कुछ विचारः लेखक जैनेंद्र कुमार। किताबरघर प्रकाशन।
3. अनुवाद विज्ञानः भोलानाथ तिवारी। 2021, किताबरघर प्रकाशन। ISBN-BOB-6587JGU
4. अध्ययन का परिदृश्यः देवशंकर नवीन। 2016, गर्वनमेंट ऑफ इण्डिया, ISBN-8123020082
5. पत्रकारिता में अनुवाद, रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली। 2016
6. इलेक्ट्रॉनिक मीडियाः रमेश जैन, आधार प्रकाशन, पंचकूला। 2011
7. अनुवाद प्रक्रियाः रीतारानी पालीवाल, साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली। 2018, ISBN-818143085
8. हिंदी में व्यावहारिक अनुवादः आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति, दिल्ली। 2014, ISBN-8188014672
9. अनुवाद कला, विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली। 2009, ISBN-81731150958

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)

सेमेस्टर–द्वितीय

पाठ्यचर्या–HF-2001

विषयः हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल) (Foundation Course)

अधिकतम अंकः 100

समयः 3 घंटे

लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

- आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि, नवजागरण और सामाजिक सुधार आंदोलन (आर्य समाज, ब्रह्म समाज, रामकृष्ण मिशन) राष्ट्रीय चेतना।
- भारतेंदु युग के कवि एवं काव्य–प्रवृत्तियाँ।
- द्विवेदी युग के कवि एवं काव्य–प्रवृतियाँ।

इकाई–दो

- छायावाद के कवि एवं काव्य–प्रवृत्तियाँ।
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और छायावाद।
- प्रगतिवाद के कवि एवं काव्य–प्रवृत्तियाँ।

इकाई–तीन

- प्रयोगवाद की प्रवृत्तियाँ एवं तारसप्तक।
- साठोत्तरी कविता आंदोलन एवं नई कविता की प्रवृत्तियाँ।
- दलित विमर्श एवं स्त्री विमर्श की विशेषताएँ।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. रामचंद्र शुक्लः हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली–संस्करण 2015
2. हजारी प्रसाद द्विवेदीः हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन दिल्ली। संस्करण 2021
3. बाबू श्यामसुंदर दास हिंदी साहित्यः इंडियन प्रैस इलाहाबाद।
4. रामकुमार वर्माः हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नय साहित्य प्रैस, इलाहाबाद।
5. नगेंद्र (संपादक): हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली। संस्करण 2016
6. हरिश्चंद्र वर्माः हिंदी साहित्य का इतिहास, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–द्वितीय
पाठ्यचर्या– HC-2001
विषयः भाषा विज्ञान के सिद्धांत (Core)

अधिकतम अंकः 100

समयः 3 घंटे

लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

- भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रवृत्तियाँ।
- भाषा के विभिन्न रूप– परिनिष्ठित भाषा, विभाषा (बोली), मातृभाषा, राजभाषा, राज्यभाषा।
- भाषा परिवर्तन से अभिप्राय एवं भाषा परिवर्तन के कारण।

इकाई–दो

- भाषा विज्ञान का प्राचीन इतिहास– पाणिनि पूर्वकाल, शिक्षा, प्रातिशाख्य, निरूक्त, व्याकरण।
- पाणिनि, वररूचि कात्यायन और पतंजलि।
- आधुनिक भाषा विज्ञान का इतिहास।
- भाषाओं का वर्गीकरण– आकृतिमूलक वर्गीकरण और पारिवारिक वर्गीकरण।
- संसार के प्रमुख भाषा परिवारों का परिचय।

इकाई–तीन

- ध्वनि विज्ञान– ध्वनि के तीन पक्ष, ध्वनि के प्रकार व वर्गीकरण, ध्वनि यंत्र का सचित्र अध्ययन।
- अर्थ विज्ञान– शब्द एवं अर्थ से अभिप्राय और दोनों का पारस्परिक संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं।
- वाक्य विज्ञान– वाक्य का स्वरूप, परिभाषा एवं प्रकार।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. बाबू राम सक्सेनाः सामान्य भाषा विज्ञान। 2010 हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. आचार्य देवेंद्र नाथ शर्माः भाषा विज्ञान की भूमिका। 2015, राधाकृष्ण
3. रविंद्रनाथ श्रीवास्तवः भाषा विज्ञानः सैधांतिक चिंतन।2013, राधाकृष्ण
4. वैष्णा नारंगः समसामयिक भाषा विज्ञान।
5. भोलानाथ तिवारीः भाषा विज्ञान।2012, किताबमहल

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–द्वितीय
पाठ्यचर्या- HC-2002
विषयः हिंदी निबंध (Core)

अधिकतम अंकः 100

समयः 3 घंटे

लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- इस पाठ्यचर्या के दो खंड हैं जिनमें तीन इकाईयां हैं। प्रथम खंड दीर्घ प्रश्नों से संबंधित हैं तो द्वितीय खंड इकाई दो लघु प्रश्नों से। प्रथम खंड में तीन इकाई हैं। सभी इकाइयों में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड दो के अंतर्गत निर्धारित निबंधों में से व्याख्यात्मक गद्यांश दिए जाएगें। परीक्षार्थी दिये गए गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या केंद्रीय भाव एवं कलात्मक सौंदर्य को स्पष्ट करते हुए करे।
- परीक्षार्थी प्रथम खंड से कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रथम खंड के प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। चौथे प्रश्न का चयन किसी भी इकाई से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 4x16=64
- प्रथम खंड की तीनों इकाईयों की पुस्तकों से कुल छह लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 100 से 120 है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

4x4=16

निर्धारित पाठ्यक्रमः

खंड–1

इकाई–एक

- शिवशंभु के चिट्ठे– बालमुकुंद गुप्त।

इकाई–दो

- चिंतामणि भाग–1 – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।

इकाई–तीन

- अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी।

खंड–2

- अंग्रेजी स्त्रोत– भारतेंदु हरिश्चंद्र।
- नयनों की गंगा– सरदार पूर्ण सिंह।
- कछुआ धर्म– चंद्रधर शर्मा "गुलेरी"।
- प्रिया नीलकंठी– कुबेरनाथ राय।
- मैं हज़ाम हूँ– शिवपूजन सहाय।
- हिंदी संत काव्य में अध्यात्म तत्व– डॉ. मनमोहन सहगल।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. डॉ. ओंकारनाथ शर्माः हिंदी–निबंध का विकास।
2. राजेंद्र सिंह गौड़ः निबंध कलां। साधना सदन प्रकाशन।
3. डॉ. हरिहरनाथ द्विवेदीः निबंधः सिद्धांत और प्रयोग। हिंदी ग्रन्थावली पटना।
4. मदन गोपालः भारतेंदु हरिश्चंद्र। ISBN-8126001909] 9788126001903
5. वासुदेवनंदन प्रसादः साहित्य के विविध संदर्भ।
6. डॉ. भगवानदास तिवारीः हिंदी काव्य के विविध परिदृश्य।
7. श्री नरेश चंद्र चतुर्वेदीः साहित्य–चिंतन। साहित्यायन, कानपुर, प्रकाशक।
8. डॉ. नगेंद्रः विचार और विवेचन। प्रकाशन–गौतम बुक डिपो, दिल्ली।
9. प्रभाकर मिश्रः निबंधकार अज्ञेय।
10. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (संपादक): रामचंद्र शुक्ल। 1996, ISBN-81214053343
11. श्री दुर्गाशंकर मिश्रः अनुभूति और अध्ययन।
12. रघुनंदन शास्त्री (संपादक): चिंतना (हिंदी के विचारात्मक तथा आलोचनात्मक निबंधों का संग्रह)।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–द्वितीय
पाठ्यचर्या– HC-2003
विषय: हरियाणवी लोक साहित्य: लोक नाट्य: सांग (Core)

अधिकतम अंक: 100
समय: 3 घंटे
लिखित परीक्षा: 80 आंतरिक मूल्यांकन: 20

आवश्यक निर्देश:

- आलोचनात्मक प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 03 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- व्याख्या–पाठ्यक्रम में इकाई तीन में से 04 पाठांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 02 की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 08 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

इकाई–एक

- हरियाणवी लोकनाट्य: अवधारणा और विकास।
- हरियाणा प्रदेश की मंचीय कलाओं के संदर्भ में सांस्कृतिक एवं लोकरंजनकारी पृष्ठभूमि।
- सांग की परिभाषा एवं स्वरूप, हरियाणवी सांग का उद्भव और विकास, सांग के विभिन्न अंग।
- हरियाणवी लोकनाट्य सांग एवम् अन्य लोक विधाएं– लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, फुटकर रागणी, लोक नृत्य।
- हरियाणवी लोकनाट्य की कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताएँ।

इकाई–दो

प्रमुख हरियाणवी लोकनाट्यकार: बाजे भगत

- बाजे भगत रचित सांग: 'गोपीचंद' तथा 'सत्यवादी हरिश्चंद्र'।
- बाजे भगत का जीवन परिचय एवं दर्शन, लोकनाट्य परम्परा में बाजे भगत का स्थान।
- बाजे भगत की प्रणाली, बाजे भगत के सांगों की विषयवस्तु, बाजे भगत का काव्य–कौशल।

प्रमुख हरियाणवी लोकनाट्यकार: पंडित लखमीचंद

- पंडित लखमीचंद रचित सांग: 'शाही लक्कडहारा' तथा 'सेठ ताराचंद'।
- पंडित लखमीचंद का जीवन परिचय एवं दर्शन, पंडित लखमीचंद के सांगों की विषयवस्तु, लोकनाट्य परंपरा में पंडित लखमीचंद का स्थान, पंडित लखमीचंद: परंपरा और संस्कृति, पंडित लखमीचंद का काव्य–कौशल, पंडित लखमीचंद की प्रणाली।

इकाई–तीन

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

- लोकनाट्यकार राय धनपत सिंह कृत सांग: 'लीलो चमन' तथा 'बादल बागी'।
- लोकनाट्यकार महाशय दयाचंद मायना कृत सांग: 'पूर्णिमा प्रकाश' तथा 'ब्रिगेडियर होशियार सिंह'।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. बाजे भगत ग्रंथावली, संपादक डॉ. रामफल चहल, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा। 2018
2. पंडित लखमीचंद ग्रंथावली, संपादक डॉ. पूर्णचंद शर्मा, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा। 2019
3. धनपत सिंह ग्रंथावली, संपादक डॉ. राजेंद्र बड़गूजर, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा। 2018
4. महाशय दयाचंद मायना ग्रंथावली, संपादक डॉ. राजेंद्र बड़गूजर, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा। 2018

सहायक ग्रंथ सूची:

1. डॉ. कुंदन लाल उत्प्रेती: लोक साहित्य के प्रतिमान, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
2. डॉ. पूर्णचंद शर्मा: हरियाणा की लोक धर्मी नाट्य परंपरा, हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला। 1983
3. डॉ. भीम सिंह मलिक: हरियाणी लोक साहित्य: सांस्कृतिक संदर्भ, चिंता प्रकाशन, पिलानी राजस्थान। 2018
4. डॉ. राम मेहर सिंह: हरियाणा का लोक नाट्य: सांग, उद्भव और विकास, मनुराज प्रकाशन, गुरुग्राम। 1988
5. डॉ. विजयेंद्र सिंह: हरियाणा के सांगों में सौंदर्य निरूपण, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला। 1988
6. डॉ. शंकरलाल यादव: हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद। 2000
7. डॉ. श्याम परमार: लोकधर्मी नाट्य परंपरा, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर– द्वितीय
पाठ्यचर्या–HE-2001
विषयः संत रैदास का काव्य (विशेष अध्ययन)–Elective I

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20
आवश्यक निर्देशः

- इस पाठ्यचर्या के दो खंड हैं। प्रथम खंड दीर्घ प्रश्नों से संबंधित हैं तो द्वितीय खंड लघु प्रश्नों से। प्रथम खंड में तीन इकाई हैं। इकाई एक और दो से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। इकाई तीन के अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम से दो व्याख्यात्मक पद्यांश दिए जाएगें। परीक्षार्थी दिए गए पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या केंद्रीय भाव एवं कलात्मक सौंदर्य को स्पष्ट करते हुए करें।
- परीक्षार्थी प्रथम खंड से कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रथम खंड के प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। चौथे प्रश्न का चयन किसी भी इकाई से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 4x16=64
- द्वितीय खंड के अंतर्गत कुल छह लघु प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 100 से 120 है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। पेपर सेटर प्रथम खंड के तीनों इकाई से प्रश्न पूछें। 4x4=16

निर्धारित पाठ्यक्रमः

खंड–1

इकाई–एक

- संत काव्य का व्यावहारिक आधारभूत ढांचा, संत काव्य की परंपरा, संत काव्य का सामाजिक प्रभाव, संत काव्य की प्रासंगिकता।
- संत रैदास का परिचय, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, जीवन दर्शन और साहित्य।

इकाई–दो

- संत रैदास की बेगमपुरा की परिकल्पना, रैदास की वाणी की प्रासंगिकता, रैदास के काव्य में सामाजिकता, अनुभूति पक्ष।
- संत रैदास की लोक छाया, रैदास का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव, रैदास की भक्ति भावना, रैदास का समाज दर्शन, रैदास के आलोचक, रैदास की भाषा, रैदास की काव्य कला, रैदास का सामाजिक विद्रोह, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विमर्श और रैदास।

इकाई–तीन

- व्याख्या हेतु– मेरे राम का रंग मजीठ है– सदानंद शाही (41 प्रामाणिक पद)।

खंड–2

- लघु उत्तरीय प्रश्नों के लिए–रैदास, दादू, मलूक दास, रज्जब, सूरदास, गरीबदास, सहजोबाई आदि संतों का जीवनवृत और साहित्यवृत ।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. गुरुग्रंथ साहबः गुरु अर्जुन देव जी (41 पद)।
2. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहासः बच्चन सिंह, लोक भारती, इलाहबाद।
3. गुरु रविदास की निर्गुण भक्तिः डॉ. मीरा गौतम।
4. कबीरः सम्पादकः विजयेंद्र स्नातक, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. कबीर वचनामृतः संपादक विद्या निवास मिश्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
6. कबीर पदावलीः रामकुमार वर्मा, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।–2017
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः गणपित चंद्रगुप्त।
8. हिंदी साहित्य का इतिहासः डॉ नगेंद्र।
9. गुरु रविदास वाणी एवं महत्वः संपादक डॉ. मीरा गौतम।–2014–वाणी प्रकाशन
10. उत्तरी भारत की संत परंपराः आचार्य परशुराम चतुर्वेदी। –2019 लोकभारतीय प्रकाशन

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर– द्वितीय
पाठ्यचर्या– OE-2001
विषयः प्रयोजनमूलक हिंदी (Open Elective I)

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80
आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई–एक

1. पत्रों के संबंध में कार्यः पद्धति
   1.1 पत्र–लेखनः ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।
   1.2 निजी और औपचारिक पत्राचार।
   1.3 संस्थागत और सरकारी पत्रों की कार्य–पद्धति।
   1.4 सरकारी पत्राचार और हिंदी।
2. सरकारी पत्रों के प्रकार
   2.1 पत्र–लेखन के सोपान और प्रक्रिया।
   2.2 सरकारी पत्रों का वर्गीकरण और प्रकार।
   2.3 विभिन्न प्रकार के पत्रों का व्यावहारिक अभ्यास।

इकाई–दो

1. प्रारूपण और टिप्पण–लेखन
   1.1 प्रारूपण और टिप्पण में अंतर।
   1.2 प्रारूपण के प्रकार।
   1.3 टिप्पण–लेखन के प्रकार।
   3.4 उत्कृष्ट टिप्पण लेखन की विशेषताएँ।
   3.5 प्रारूपण एवं टिप्पण–लेखन संबंधी व्यावहारिक अभ्यास।
2. सार–लेखन
   2.1 सार–लेखन का महत्त्व और उपयोगिता ।
   2.2 साहित्यिक और सरकारी।
   4.3 उत्कृष्ट सार–लेखन की विशेषताएँ।
   2.4 सार–लेखन संबंधी व्यावहारिक अभ्यास।

इकाई–तीन

1. सामान्य प्रशासनिक शब्दावली
   1.1 प्रशासनिक शब्दावली आयोगः गठन एवं महत्त्व।
   1.2 प्रशासनिक शब्दावलीः आवश्यकता एवं महत्त्व।
   1.3 प्रशासनिक शब्दावलीः विकास–प्रक्रिया।
   1.4 प्रशासनिक शब्दावलीः आधारभूत रचना एवं सिद्धांत।
   1.5 प्रशासनिक शब्दावलीः व्यावहारगत उपयोगिता एवं सीमाएँ।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. व्यावहारिक हिंदी– भाग–1: ओम प्रकाश सिंहल, उमापति राय चंदेल, पीताम्बर पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।
2. व्यावहारिक हिंदी– भाग–2: ओम प्रकाश सिंहल, उमापति राय चंदेल, पीतांबर पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।
3. टिप्पण, प्रारूपण तथा प्रूफ पठनः ओम प्रकाश सिंहल, उमापति राय चंदेल, पीतांबर पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।
4. व्यावहारिक हिंदी (सम्प्रेषण विधि एवं प्रयोग): गौतम कुमार कौशल, मार्डन पब्लिशर्ज, नई रेलवे रोड़, जालंधर।
5. कार्यालय हिंदी, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
6. हिंदी का सामाजिक संदर्भः रविंद्रनाथ श्रीवास्तव तथा रमाकांत सहाय (संपादक), केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा।
7. कार्यालय सहायिकाः केंद्रीय हिंदी सचिवालय हिंदी परिषद् नई दिल्ली।
8. सरकारी कामकाज हिंदी में, हिंदी–प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।
9. व्यावहारिक तथा प्रशासनिक पत्रः विश्वनाथ अय्यर।
10. राजभाषा हिंदी के विविध आयाम (संपादक): डॉ. मलिक मुहम्मद।
11. प्रयोजन मूलक हिंदी, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–तृतीय
पाठ्यचर्या– HF-3001
विषयः भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत (Foundation Course)

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

- काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य प्रकार, काव्य के लक्षण, काव्य के गुण, काव्य दोष।

इकाई–दो

- ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
- अलंकार सिदधांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।
- रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
- औचित्य सिद्धांतः प्रमुख स्थापनाएँ और औचित्य के भेद।

इकाई–तीन

- रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण, शब्दशक्तियाँ।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. भारतीय काव्य सिद्धांतः काका कालेलकर, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद।
2. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिकाः डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।–2019
3. भारतीय काव्यशास्त्रः सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिद्धांत और अध्ययनः बाबू गुलाबराय, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।–1956
5. काव्यशास्त्रः भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।–2018
6. भारतीय काव्यशास्त्रः कृष्णबल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (भाग–दो): गोविंद त्रिगुणायत, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।–1956–1962

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–तृतीय
पाठ्यचर्या– HC-3001
विषयः हिंदी भाषा एवं लिपि का अध्ययन (Core)

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

- हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँः पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्द्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण, हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी, हिंदी की बोलियाँ– खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ, हिंदी के विविध रूप– हिंदी उर्दू, दक्खिनी हिंदुस्तानी।

इकाई–दो

- हिंदी का भाषिक स्वरूपः हिंदी की स्वनिम व्यवस्था, खंडेय एवं खंडयेतर, हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिंदी शब्द रचना।
- उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिंदी की रूप रचना– लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप, हिंदी वाक्य रचना, हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूपः बोली, मानक भाषा।

इकाई–तीन

- प्राचीन भारतीय लिपियाँ– सिंधु घाटी की लिपि, खरोष्ठी लिपि एवं ब्राह्मी लिपि का परिचय।
- देवनागरी लिपि–नामकरण, देवनागरी लिपि उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि के दोष एवं सुधार के उपाय, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं मानकीकरण।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. भाषा और भाषिकीः देवीशंकर द्विवेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।–2017
2. भाषा विज्ञानः भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहबाद।–2012
3. भाषा विज्ञान की भूमिकाः देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।–2015
4. देवनागरीः देवीशंकर द्विवेदी, प्रशांत प्रकाशन, कुरूक्षेत्र।
5. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषाः द्वारिका प्रसाद सक्सेना, मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदीः उद्भव और विकासः उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहबाद।–2016
7. भाषा विज्ञान एंव, भाषा शास्त्रः कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।–2021
8. मानक हिंदी का संरचनात्मक भाषा विज्ञानः ओमप्रकाश भारद्वाज, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।
9. ध्हंदी उद्भव, विकास और रूपः हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद।–2018
10. देवनागरी लेखन तथा हिंदी वर्तनीः लक्ष्मीनारायण शर्मा, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
11. हिंदी भाषा का विकासः देवेंद्रनाथ शर्मा एवं रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।–2007

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–तृतीय
पाठ्यचर्या– HC-3002
विषय– शोध प्रविधि (Core)

अधिकतम अंक: 100

समय: 3 घंटे

लिखित परीक्षा: 80 आंतरिक मूल्यांकन: 20

आवश्यक निर्देश:

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

इकाई–एक

शोध की अवधारणा, शोध का स्वरूप, शोध के उद्देश्य, शोध के मूल तत्व, शोध के प्रकार, शोध की प्रामाणिकता, शोध का महत्व।

इकाई–दो

शोध प्रविधि– अभिप्राय, रूप एवं लक्षण, सोपान, शोध प्रविधि के आधार पर शोध के प्रकार:
विषयगत शोध: (काव्यशास्त्रीय शोध, सांस्कृतिक शोध, समाजशास्त्रीय शोध, भाषागत शोध)
प्रविधिगत शोध (सर्वेक्षणात्मक शोध, वर्णनात्मक शोध, विवेचनात्मक शोध, विश्लेषणात्मक शोध, तुलनात्मक शोध)।
शोध और पाठानुसंधान (पाठालोचन)
पाठालोचन का स्वरूप एवं परिचय , पाठालोचन की विशेषताएँ

इकाई–तीन

शोध प्रबंध लेखन: शोध प्रबंध, शीर्षक निर्धारण, रूप रेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख। शोध निर्देशक के गुण, शोधार्थी के गुण एवं दोष, शोधार्थी के कर्तव्य।

सहायक ग्रंथ सूची:

1. शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि: बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।–2015
2. शोध प्रक्रिया: सरनाम सिंह शर्मा, कल्पना प्रकाशन, दिल्ली।–2011
3. अनुसंधान स्वरूप और आयाम: डॉ. उमाकांत गुप्त, डॉ. ब्रजरतन जोशी (सं.), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।–2018
4. शोध प्रविधि: शशिभूषण सिंह, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।–2019
5. शोधतंत्र और सिद्धांत: शेलकुमारी।
6. शोध प्रविधि: डॉ. विनय मोहन शर्मा।–नेशनल पब्लिशिंग हाउस–2018
7. अनुसंधान की प्रक्रिया: डॉ. सवित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र।–नेशनल पब्लिशिंग हाउस–2017
8. अनुसंधान के तत्व: विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–तृतीय
पाठ्यचर्या– HC-3003
विषय– हरियाणवी लोक : विविध आयाम (Core)

अधिकतम अंक: 100

समय: 3 घंटे

लिखित परीक्षा: 80 आंतरिक मूल्यांकन: 20

आवश्यक निर्देश:

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

इकाई–एक

हरियाणवी लोकोक्ति: अर्थ, स्वरूप, क्षेत्र, महत्व। हरियाणवी मुहावरे: अर्थ, स्वरूप, क्षेत्र, महत्व। हरियाणवी पहेली: अर्थ, स्वरूप, क्षेत्र, महत्व। हरियाणवी लोक विनोद: स्वरूप और विशेषताएँ, हरियाणवी संस्कृति में लोक विनोद का स्थान।

इकाई–दो

हरियाणवी संस्कार, लोकाचार, लोकविश्वास। हरियाणवी लोकोत्सव: प्रतिपाद्य एवं महत्व, वर्गीकरण, लोकोत्सवों की लोकप्रियता के कारण, हरियाणा के विशिष्ट लोकोत्सव, हरियाणवी लोक में समकाल की अनुगूँज।

इकाई–तीन

हरियाणवी लोक कलाएँ: परिचय, प्रतिपाद्य, महत्व, शिल्प विधान, विशेषताएँ, वर्गीकरण। हरियाणवी प्रसिद्ध लोक कलाओं का परिचय, भूमण्डलीकरण के दौर में हरियाणवी लोक का पुनरोदय, लोक का व्यावसायिक उपयोग। हरियाणवी सिनेमा: उद्भव और विकास, विशेषताएँ, महत्व।

सहायक ग्रंथ सूची:

1. हरियाणवी लोकसाहित्य: सांस्कृतिक संदर्भ: डॉ. भीमसिंह मलिक, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
2. लोकनाट्य सांग कल और आज: डॉ. पूर्णचंद शर्मा, हिंदी साहित्य निकेतन, 16, साहित्य विहार, बिजनौर, उत्तर प्रदेश।
3. हरियाणा की लोकधर्मी नाट्य परंपरा: पूर्णचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़। संस्करण–1983
4. हरियाणा का लोकसाहित्य: राजाराम शास्त्री, लोक सम्पर्क विभाग, हरियाणा, चंडीगढ़।
5. हरियाणा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन: गुणपाल सांगवान, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़। संस्करण–1989
6. हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य: शंकरलाल यादव, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहबाद। संस्करण–2000
7. हरियाणा सांस्कृतिक दर्शन, संकलनकर्त्ता: पुष्पा जैन, सत्यपाल गुप्त, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
8. हरियाणा का सांस्कृतिक अध्ययन (संपादक): साधुराम शारदा, हरियाणा भाषा विभाग, हरियाणा।

11. हिंदी भक्ति काव्य: डॉ. मीरा गौतम। 2011
12. संत रविदास और कबीरदास वाणी का अध्ययन: डॉ. कामराज सिंधु।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–तृतीय
पाठ्यचर्या– HE-3001
विषयः सृजनात्मक लेखन (Elective- I)

अधिकतम अंकः 100

समयः 3 घंटे

लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई दो और इकाई तीन में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

- सृजनात्मक लेखनः अर्थ, स्वरूप एवं उद्देश्य, सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया, सृजनात्मक लेखन का निर्धारण, सृजनात्मक लेखन का महत्व, सृजनात्मक लेखन का भविष्य, अनुवाद कला के रूप में बहुभाषी भारत में सृजनात्मक लेखन की प्रासंगिकता।

इकाई–दो

- सृजनात्मक लेखन की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, महत्त्व, सृजनात्मक लेखन पुनः सृजन के रूप में, सृजनात्मक लेखन एवं कृति से साक्षात्कार, सृजनात्मक लेखन में सहजता एवं संप्रेषणीयता, सृजनात्मक लेखन में मूलनिष्ठता एवं स्वतंत्रता।

इकाई–तीन

- सृजनात्मक लेखन में इंटरनेट, श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी), मौखिक भाषा की प्रकृति, संवाद लेखन और वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन।
- सृजनात्मक लेखन में दृश्य माध्यमों की भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन, पटकथा लेखन, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।

सहायक गंथ सूचीः

1. प्रयोजनमूलक हिंदीः–सिद्धांत और प्रयोगः डॉ. दंगल झाल्टे, संस्करण। वाणी प्रकाशन–2010
2. प्रयोजनमूलक हिंदीः डॉ. विनोद गोदरे। 2009, वाणी प्रकाशन
3. प्रयोजनमूलक हिंदीः डॉ. संजीव कुमार जैन।
4. विज्ञान गरिमा सिंधुः शिक्षा विभाग से प्रकाशित पत्रिका।
5. विज्ञापनः डॉ. अशोक महाजन।–साहित्य सरोवर–2020

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–तृतीय
पाठ्यचर्या– HE-3001
विषय– हिंदी: तकनीकी संसाधन (Elective II)

अधिकतम अंक: 100
समय: 3 घंटे
लिखित परीक्षा: 80 आंतरिक मूल्यांकन: 20
आवश्यक निर्देश:

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु– उत्तरी प्रश्न–इकाई दो और इकाई तीन में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/case study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई–एक

- कंप्यूटर में हिंदी का आरंभ और विकास।
- कंप्यूटर और हिंदी: चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएँ।
- कंप्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग।
- हिंदी के महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर्स एवं उनका महत्व।

इकाई–दो

- हिंदी से संबंधित तकनीकी ज्ञान: आवश्कताएँ और महत्व।
- हिंदी कुंजीपटल: स्वरूप और विकास
- हिंदी कुंजीपटल के संदर्भ में एम. एस. ऑफिस, एक्सेल शीट, पॉवर प्वाइंट का निर्माण।
- हिंदी फॉंट का प्रयोग: यूनीकोड से पूर्व और उसके पश्चात।

इकाई–तीन

- वैश्वीकरण, बाजारवाद और तकनीक: हिंदी का बदलता स्वरूप।
- हिंदी ई–पोर्टल, हिंदी पत्र–पत्रिकाएँ, हिंदी ई–पुस्तकें, इंटरनेट पर सामग्री सृजन, हिंदी ब्लॉग लेखन और अन्य इंटरनेट माध्यमो पर लेखन एवं प्रकाशन।
- राजभाषा हिंदी के प्रसार में कंप्यूटर–कृत हिंदी भाषा की भूमिका।

सहायक ग्रंथ सूची:

1. आधुनिक जनसंचार एवं हिंदी: प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।–2018
2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग: डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा।–1998, वाणी प्रकाशन
3. कंप्यूटर गाइड: शशिकांत बाकरे।
4. जनसंचार माध्यम:– चुनौतियाँ और दायित्व: डॉ. त्रिभुवन राय, श्याम प्रकाशन, जयपुर।
5. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र: जवरीमल्ल पारीख।
6. न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियां और सम्भावनाएँ: एस. आर. अनुराधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।–2012
7. प्रयोजन मूलक हिंदी की नई भूमिका: कैलाशनाथ पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।–2007
8. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया: डॉ. देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।–2010
9. मीडिया विमर्श: रामशरण जोशी।–2008, लोकचेतन प्रकाशन
10. साइबर स्पेस और मीडिया: सुधीश पचौरी।–प्रवीण प्रकाशन,2000
11. सूचना समाज: जगदीश्वर चतुर्वेदी।–2000

स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर– तृतीय
पाठ्यचर्या –OE- 3001 (Open Elective-I)
विषयः व्यावहारिक हिंदी

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20
आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 08 प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु–उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगें। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/ case study) हेतू व्यवहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

हिंदी वर्णमाला, वर्तनी एवं विराम चिह्न।
संज्ञा, लिंग, वचन, कारक।
सर्वनाम।

इकाई–दो

विशेषण, किया, अव्यय।
शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय।
संधि, समास।

इकाई–तीन

शब्द और अर्थ।
कोशीय और व्याकरणिक शब्द।
पर्यायवाची शब्द, एकार्थक शब्द, अनेकार्थक शब्द।
विलोम शब्द, युग्म शब्द, अनेकशब्दों के लिए एक शब्द, एक शब्द के लिए विभिन्न प्रयोग, एक शब्द का विभिन्न शब्द भेदों में प्रयोग, ध्वन्यात्मक–द्वि शक्तिमुलक शब्द।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. आधुनिक हिंदी काव्य एवं रचनाः वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन, ठाकुर बाड़ी रोड़, पटना–600003।
2. हिंदी व्याकरणः कामता प्रसाद गुरू।
3. हिंदी शब्दानुशासनः किशोरी प्रसाद वाजपेयी।
4. हिंदी व्याकरण चंद्रोदयः आचार्य रामलोचन शरण।
5. हिंदी भाषाः भोला नाथ तिवारी।
6. हिंदी उद्भव विकास और रूपः हरदेव बाहरी।
7. व्यवहारिक सामान्य हिंदीः राघव प्रकाश।
8. ए.बेसिक ग्रामर ऑफ मॉडर्न हिंदीः सेंदव हिंदी डायरेक्टररेट, नई दिल्ली।
9. वृहद् हिंदी व्याकरणः कृष्णा रान माहिया।

स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–चतुर्थ
पाठ्यचर्या – HF- 4001(Foundation)
विषयः पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20
आवश्यक निर्देशः

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न– समस्त पाठ्यक्रम में से 8 प्रश्न दिए जायेगें। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु–उत्तरी प्रश्न– समस्त पाठ्यक्रम में से 6 प्रश्न दिए जायेगें। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन– नियत कार्य (assignments/project/ case study) हेतू व्यवहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–1

'प्लेटो' का आदर्शवाद, अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत, विवेचन सिद्धांत, लोजांइनस का उदात्त सिद्धांत, होरेस का औचित्य सिद्धांत

इकाई–2

क्रोचे का अभिव्यांजनावाद, मैथ्यू अर्नाल्ड का काव्य सिद्धांत, विलियम वर्डसवर्थ का काव्य–भाषा सिद्धांत, आई.ए. रिचर्ड्स का मूल्य और संप्रेषण सिद्धांत, टी.एस.इलियट का परंपरा और निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत।

इकाई–3

मार्क्सवादी आलोचना, मनोविश्लेषणवादी आलोचना, अस्तित्ववाद तथा तत्संबंधी आलोचना, नव्य समीक्षा, शैलीविज्ञान आलोचना।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतः देवेंद्रनाथ शर्मा।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतः तारकनाथ बाली।
3. पाश्चात्य समीक्षा के सिद्धांतः सावित्री सिन्हा।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतः शांति स्वरूप गुप्त।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतः डॉ. हरीशचंद्र वर्मा।
6. पाश्चात्य समीक्षा के सिद्धांतः मैथिलीप्रसाद भारद्वाज।
7. पाश्चात्य साहित्य चिंतनः निर्मला जैन और कुसुम।
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्रः भगीरथ मिश्र।

स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–चतुर्थ
पाठ्यचर्या – HC- 4001(Core)
विषय: हिंदी आलोचना

अधिकतम अंक: 100
समय: 3 घंटे
लिखित परीक्षा: 80

आंतरिक मूल्यांकन: 20

आवश्यक निर्देश:

- आलोचनात्मक प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 8 प्रश्न दिए जायेगें। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 64 अंक का होगा।
- लघु–उत्तरी प्रश्न–समस्त पाठ्यक्रम में से 6 प्रश्न दिए जायेगें। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/ case study) हेतू व्यवहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

इकाई–1

हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।
भारतेन्दु युगीन हिंदी आलोचक एवं आलोचना
भारतेन्दु युगीन हिंदी आलोचना की प्रवृत्तियाँ, उपलब्धियां एवं सीमाएं।

इकाई –दो

शुक्लयुगीन हिंदी आलोचना।
आलोचक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल एवं उनकी आलोचना दृष्टि, हिंदी आलोचना और रामचंद्र शुक्ल का योगदान।
आलोचक–हजारी प्रसाद द्विवेदी।
आलोचक–नंद दुलारे वाजपेयी।
शुक्लयुगीन हिंदी आलोचना की प्रवृत्तियाँ, उपलब्धियां एवं सीमाएं।

इकाई–तीन

शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना एवं आलोचक
(अ)
1. रामविलास शर्मा की आलोचना दृष्टि एवं आलोचना।
2. नगेन्द्र।
3. डॉ. नामवर सिंह।
4. शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना की प्रवृत्तियाँ, उपलब्धियाँ एवं सीमाएं।
(ब) हिंदी काव्य विमर्श: दलित, स्त्री, आदिवासी, दिव्यांग, वृद्ध एवं ट्रांसजेंडर विमर्श।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, त्रिवेणी, भ्रमरगीतसार, जायसी ग्रंथावली की भूमिका, रस मीमांसा– रामचंद्र शुक्ल।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका, हिंदी साहित्य: उद्भव विकास, आदिकाल, सूरदास इत्यादि–हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3. हिंदी समीक्षा: स्वरूप और सन्दर्भ–रामदरश मिश्र।
4. हिंदी आलोचना: विश्वनाथ त्रिपाठी।
5. नई समीक्षा के प्रतिमान: डॉ. निर्मला जैन।
6. कविता साहित्य का सौंदर्य–ओम प्रकाश।
7. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श–जगदीश्वर चतुर्वेदी।
8. भारतीय साहित्य और आदिवासी विमर्श–माधव सेनटक्के, संजय राठोड।
9. दलित विनर्श की भूमिका–कंवल भारती।

स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–चतुर्थ
पाठ्यचर्या – HC- 4002 (Core)
विषयः हिंदी की नव्यत्तर गद्य विधाएँ

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20

आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 03 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- लघु–उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगें। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- व्याख्या–पाठ्यक्रम में इकाई तीन में से 04 अवतरण दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 02 की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 08 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 का होगा।

- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/ case study) हेतू व्यवहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

आवारा मसीहा (आत्मकथा)–विष्णु प्रभाकर।

इकाई–दो

घीसा (रेखाचित्र)–महादेवी वर्मा।

स्पीति में बारिश (यात्रा वृतांत)–कृष्णनाथ।

विदापत नाच(रिपोर्ताज)–रेणु।

युदध यात्रा (रिपोर्ताज)–धर्मवीर भारती।

इकाई–तीन

माटी की मूरते(रेखाचित्र)–रामवृक्ष बेनीपुरी।

चीडों पर चाँदनी(यात्रा–वृतांत)–निर्मल वर्मा।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिंदी जीवनी साहित्यः सिद्धांत अध्ययन–भगवरशरण उपाध्याय।
2. हिंदी का रामकथा साहित्य–विश्वबंधु कथित।
3. हिंदी का संस्मरण साहित्य–राजरानी वर्मा।
4. यात्रा साहित्य का उदभव और विशेष–सुंदर माथुर।
5. हिंदी गदय साहित्य–रामचंद्र तिवारी।
6. गद्य की पहचान–अरूण प्रकाश।

स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–चतुर्थ
पाठ्यचर्या – HC-4003 (Core)
विषय: स्वातन्त्र्योत्तर हिंदी काव्य

अधिकतम अंक: 100
समय: 3 घंटे
लिखित परीक्षा: 80 आंतरिक मूल्यांकन: 20

आवश्यक निर्देश:

- आलोचनात्मक प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 03 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- लघु–उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- व्याख्या–पाठ्यक्रम में इकाई तीन में से 04 अवतरण दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 02 की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 08 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 का होगा।

- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/ case study) हेतु व्यवहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

इकाई–एक

धर्मवीर भारती–कविता की मौत, टूटा पहिया
गिरिजाकुमार माथुर–चूड़ी का टूकड़ा, सूरज का पहिया
लक्ष्मीकांत वर्मा–एक सही वर्षगाँठ मनाने के गलत तरीके, इतिहास सेतु।
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना– मैंने कब कहा, फिर भी मैं।

इकाई–दो

नागार्जुन–अपने खेत में, गुलाबी चूड़ियां।
केदारनाथ सिंह–दीपदान, बनारस।
रघुवीर सहाय–दे दिया जाता हूँ, तोड़ो।
सुदामा पाण्डेय धूमिल–मोचीराम।

इकाई–तीन

अज्ञेय–असाध्य वीणा।
मुक्तिबोध– अंधेरे में।

सहायक ग्रंथ सूची:

1. नया सप्तक: संपादक राकेश गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. कविता के नए प्रतिमान–नामवर सिंह।
3. आधुनिक हिंदी कविता–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
4. अज्ञेय और नई कविता–चंद्रकला त्रिपाठी।
5. मुक्तिबोध कविता और जीवन विवेक–चंद्रकांत देवताले।

स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–चतुर्थ
पाठ्यचर्या – HE- 4001 (Elective-I)
विषयः हिंदी नाटक और रंगमंच

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20
आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 03 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- लघु–उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगें। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- व्याख्या–पाठ्यक्रम में इकाई तीन में से 04 पाठांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 02 की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 08 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 का होगा।

- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/ case study) हेतू व्यवहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः

इकाई–एक

हिंदी नाटक का उद्भव और विकास।
हिंदी रंगमंच का उद्भव और विकास।
जयशंकर प्रसाद–चंद्रगुप्त।

इकाई–दो

धर्मवीर भारती–अंधा युग।
शंकर शेष–एक और द्रोणाचार्य।
मेहन राकेश–लहरों का राजहंस।
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना–बकरी।

इकाई–तीन

भारतेन्दु–अंधेर नगरी।
जयशंकर प्रसाद–चंद्रगुप्त।

सहायक ग्रंथ सूचीः

1. हिंदी नाटकःउद्भव और विकास–दशरथ ओझा।
2. हिंदी नाटक–बच्चन सिंह।
3. रंगमंच–नेमिचंद्र जैन।
4. हिंदी नाटक सिद्धांत और विवेचन–गिरिश रस्तोगी।
5. नाट्य निबंध–दशरथ ओझा।
6. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच–सं. नेमिचंद्र जैन।

स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (हिंदी)
सेमेस्टर–चतुर्थ
पाठ्यचर्या – HE- 4001 (Elective-II)
विषयः सूरदास के काव्य का विशेष अध्ययन

अधिकतम अंकः 100
समयः 3 घंटे
लिखित परीक्षाः 80 आंतरिक मूल्यांकनः 20
आवश्यक निर्देशः

- आलोचनात्मक प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायंगे। प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं 03 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 48 अंक का होगा।
- लघु–उत्तरी प्रश्न–इकाई एक और इकाई दो में से 06 प्रश्न दिए जायेंगें। परीक्षार्थी को किन्हीं 04 का उत्तर (लगभग 250 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- व्याख्या–पाठ्यक्रम में इकाई तीन में से 04 पाठांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 02 की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 08 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 का होगा।

- विशेष–आंतरिक मूल्यांकन के निर्देशन–नियत कार्य (assignments/project/ case study) हेतू व्यवहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रमः
पाठ्यपुस्तक–सूरसागर सार, संपादक डॉ. धीरेंद्र वर्मा, प्रकाशक साहित्य भवन प्रा. लि. जीरो रोड़, इलाहबाद (प्रयागराज)।

इकाई–एक

विनय तथा भक्ति से संबंधित सभी पद।

इकाई–दो

गोकुल लीला से संबंधित सभी पद।

वृंदावन से संबंधित निम्नलिखित पद–गो दोहन, गोचारण, कालिया दमन, मुरली एवं गोवर्धन धारण।

इकाई–तीन

व्याख्यान हेतु उद्धव संदेश से संबंधित सभी पद।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. संपादक डॉ. धीरेंद्र वर्मा, प्रकाशक साहित्य भवन प्रा. लि. जीरो रोड़, इलाहबाद (प्रयागराज)।
2. भ्रमरगीत सार, आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
3. त्रिवेणी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
4. सुर–सुषमा, नंददुलारे वाजपेयी।
5. सूर–मीमांसा, डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा।
6. सूर–सौरभ, डॉ. मुंशीराम शर्मा।
7. सूरदास, अध्ययन–सामग्री, जवाहर लाल चतुर्वेदी (संग्रहक)।
8. संक्षिप्त सूरसागर, डॉ. प्रेमनारायण टंडन(संपादक)।
9. सूर–समीक्षा, प्रो. नरोत्तमदास टंड़न (संपादक)।
10. सूर की भाषा, डॉ. प्रेमनारायण टंड़न।